# अनुभव

डॉ. कौशल चौहान,
'खुशी'
नानई, हापुड़ उ.प्र.।

## बाबा ने कहा इसकी दो रस्सियाँ छोड़ दो...

बेहतर जीवन जीने के लिए खुशी मुख्य आधार है। और मेरा यह मानना था कि मैं सबसे ज़्यादा खुश तब होऊंगी जब मुझे मेरी इच्छानुसार उच्च गुणवत्ता वाला प्यार मिलेगा। प्रेमभाव से भरे मेरे दिल की बस एक ही चाहना थी एक ऐसे साथी को पाने की जो हर कदम मेरा साथ दे सके। मेरी शादी भी पसंद के लड़के से हुई। वो सभी गुण नहीं थे उसमें जो मुझे चाहिए थे। परन्तु इन सांसारिक लोगों से, तथा मेरे पापा के पसंद के लड़कों से बढ़कर थी उसकी सोच। और ये बात मेरे पापा भी जानते थे तभी उन्होंने उससे मेरा विवाह किया। शादी के बाद कुछ परिस्थितियाँ (मेरे परिवार से, ससुराल पक्ष व पति से तथा कार्यस्थल से) सामने आई। उसी दौरान मैं बाबा के ज्ञान में आई तथा बाबा की मदद से बखूबी उन परिस्थितियों को पार भी किया।

मैं चाहती थी कि शिव बाबा शरीर लेकर आयें और हमेशा मेरे पास रहें। हमेशा सुंदर-सुंदर विज़ुअलाइज़ेशन करती थी बाबा के साथ और फिर इतना खुशी में झूम जाती थी, उन्हें आग्रह करती थी, कभी-कभी चैलेन्ज भी करती थी कि हिम्मत है तो सामने आओ, कि मुझे सिर्फ विज़ुअलाइज़ेशन ही नहीं आपके साथ में जीना भी है।

मुझे एक ऐसे साथी की तलाश थी जो सम्पूर्ण हो तथा जिसके सम्बन्ध सम्पर्क में आकर मैं भी सम्पूर्ण बन जाऊँ। मेरी इस आदत की वजह से कई बार नुकसान भी उठाना पड़ा।

एक बार बाबा ने मुझे ओ.आर.सी. में अपने ज्योतिस्वरूप का सुबह अमृतवेले साक्षात्कार कराया और कहा बच्ची तुम मेरी हो। तुम्हें मेरा एक काम करना है। उस दिन के बाद मैंने अपने आप को बाबा को सौंप दिया। परंतु यह ज्ञात नहीं है कि बाबा का वह कार्य पूरा हुआ है या नहीं, जिसके लिए उसने मुझसे कहा था। ऐसे ही एक बार गुलज़ार दादी, जानकी दादी तथा ब्रह्मा बाबा मेरे सपने में आये। जानकी दादी ने कहा हम तो जा रहे हैं, तू भी हमारे पीछे आ जा तथा ब्रह्मा बाबा को गुलज़ार दादी ने कहा कि खुशी जा रही है। तो बाबा ने कहा खुशी जा रही है, खुशी को तो रुकना चाहिए। सपने में मेरे शरीर पर बहुत सी रस्सियाँ बंधी थी, तथा ब्रह्मा बाबा ने कहा इन दो रस्सियों को (भुजाओं की) छोड़कर इसकी बाकी सारी रस्सियाँ खोल दो। आज मेरी माँ और मेरा बेटा मेरे साथ रहते हैं। शायद यह बाबा का इशारा था मेरी ज़िम्मेवारियों प्रति। इस तरह से शिव बाबा धीरे-धीरे से मेरी कमियों-कमज़ोरियों को दूर करते हुए उन आत्माओं से जिनसे मेरी कुछ इच्छायें थी, बड़ी ही सहजता से मेरे हिसाब-किताब चुक्तु कराये तथा मुझे वास्तविक प्रेम की अनुभूति कराई और धीरे-धीरे मेरे दिल को चुरा लिया।

**मैं चाहती थी कि शिव बाबा शरीर लेकर आयें और हमेशा मेरे पास रहें। हमेशा सुंदर-सुंदर विज़ुअलाइज़ेशन करती थी बाबा के साथ और फिर इतना खुशी में झूम जाती थी, उन्हें आग्रह करती थी, कभी-कभी चैलेन्ज भी करती थी कि हिम्मत है तो सामने आओ, कि मुझे सिर्फ विज़ुअलाइज़ेशन ही नहीं आपके साथ में जीना भी है।**

## उज्जैन में ... - पेज 1 का शेष

रही हैं। मैं ब्रह्माकुमारी बहनों को और ब्रह्माकुमारी संस्थान को दिल से बहुत-बहुत बधाई व धन्यवाद देता हूँ कि आध्यात्मिक जगत में वे अपना परचम लहरा रही हैं।

### भारत परमात्मा की अवतरण भूमि है

**पुरुषार्थ आश्रम,हरिद्वार के महामण्डलेश्वर स्वामी निरंजन महाराज** ने मेले का अवलोकन करने के पश्चात् कहा कि भारत एक धर्म प्रधान देश रहा है। यहाँ परमात्मा का अवतरण होता है। अन्य देश में परमात्मा का अवतरण नहीं होता। यहाँ पूजा और स्नान की परंपरा है, विधि है। उन्होंने मेले में उमड़ रही भीड़ को देखकर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वह ब्रह्माकुमारी संस्थान के दुनिया भर में फैले सेवाकेन्द्रों में जाते हैं। यह संस्था देश को एकसूत्र में पिरोकर शान्ति का संदेश देने का अच्छा कार्य कर रही है।

### चैतन्य देवियों की झाँकी में झाँको

**जुना अखाड़ा के महामण्डलेश्वर के द्वय बहन मैत्रेयी गिरी और हेमा सरस्वती** ने मेले के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आदि शक्तियाँ और ईश्वरीय गुण हम सभी के अंदर विद्यमान हैं, यह आध्यात्मिक मेला हमारे मनोरंजन के लिए नहीं है बल्कि धारणा के लिए है। इन ब्रह्माकुमारी बहनों को चैतन्य देवियों के रूप में देखकर सभी को अपने अंतःकरण को शुद्ध करना चाहिए। आने वाले समय में यह स्वर्ग लेकर अवश्य आयेंगी।

### जीवन स्वर्ग बनेगा कुछ त्याग कर

`सत्यम शिवम सुंदरम' आध्यात्मिक मेले में **ब्र.कु. विद्या** ने योग के बारे में बताया कि योग का अर्थ परमात्मा को मन और बुद्धि से याद करना है। चूंकि गुणों और शक्तियों का अविनाशी स्रोत परमात्मा है, इसलिए उनकी याद से न केवल हमें खुशी मिलती है बल्कि हमारे जीवन से रोग व शोक भी मिट जाते हैं। इससे अतीन्द्रिय सुख मिलता है और आत्मा के सारे गुण भी आ जाते हैं।

### जीवन का सच्चा सुख भगवत प्राप्ति में

**आचार्य वृन्दावन योग के वेदांताचार्य आचार्य चित्तप्रकाशानंद गिरी महाराज** ने आध्यात्मिक मेले का अवलोकन करने के बाद कहा कि जीवन का सच्चा सुख भगवत प्राप्ति में है। हम जहाँ भगवान को बाहरी वस्तुओं में ढूंढ़ रहे हैं उसका मार्ग तो ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय में है। राजयोग परमात्म प्राप्ति में मददगार सिद्ध हो रहा है और यह राजयोग सर्वश्रेष्ठ योग है। यह जाति, धर्म से परे एक वैचारिक प्रक्रिया है।

### योग से फैलता है प्रकम्पन

**महाराज देवकीनंदन ठाकुर** ने कहा कि ऋषियों की वाणी के अनुसार सर्वेभवन्तु सुखिनः की पद्धति में मानव सेवा ईश्वर की सेवा है। जिसमें आप शान्त रहकर शांति के प्रकम्पन दूसरों को देंगे वही आपको वापस मिलेगा। योग से जब हम स्वस्थ रहेंगे तो ईश्वरीय प्रेम में हमारा मन रमा रहेगा। इसी से ईश्वर की प्राप्ति होगी। मैं ब्रह्माकुमारीज़ के प्रयास को नमन करता हूँ जो इतना प्यार भरा और सुंदर वातावरण बनाने में विश्व को सहयोग दे रही हैं।

हमने भी यहाँ आकर देखा कि शांति की असीम अनुभूति सिर्फ और सिर्फ इसी योग में है, इसके प्रकम्पन से पूरा विश्व शांति की अनुभूति करेगा। मानव कल्याण के लिए समर्पित इस संस्था को मैं अपनी बहुत सारी शुभकामनाएं देता हूँ।

**बाँदा-उ.प्र.।** चैतन्य देवियों की झाँकी के उद्घाटन पश्चात् नगर चेयरमैन श्रीमती विनोद जैन को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. शालिनी।

**देहरा-हि.प्र.।** राज्य स्तरीय बैसाखी उत्सव मेले में ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् ब्र.कु. कमलेश को सम्मानित करते हुए श्रम बोर्ड के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह मनकोटिया।

**गया-ए.पी. कॉलोनी।** पी.एन.बी. बैंक के डी.जी.एम. बिनय कुमार सिंह को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुनीता।

**हाथरस-उ.प्र.।** महावीर जयंती के अवसर पर नवग्रह मंदिर में शिव दर्शन आध्यात्मिक प्रदर्शनी एवं व्यसन मुक्ति शिविर का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह। साथ हैं ब्र.कु. शान्ता, ब्र.कु. दुर्गेश व अन्य।

**पानीपत-हरियाणा।** दो दिवसीय स्वास्थ्य सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए डॉ. श्रीमंत साहू, ब्र.कु. सरला, पानीपत के विधायक महिपाल ढांडा, ब्र.कु. भारत भूषण व प्रो. सुभाष सिसोदिया।

**बहादुरगढ़-हरियाणा।** महिला प्रभाग द्वारा 'सेल्फ एम्पॉवरमेंट बाई मेडिटेशन' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन हैं ब्र.कु. उर्मिल, ब्र.कु. अंजली, ब्र.कु. विनीता, ब्र.कु. रेणु, ब्र.कु. अमृता व अन्य।